

अभिषेक मनु सिंघवी और जयराम रमेश ने सारे घोड़े खोल दिये गांधी परिवार के बचाव में

इन दोनों की दलील थी, कोई जुर्म नहीं हुआ, कोई पैसे का लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कुछ भी भुगतान नहीं हुआ

-रेणु मि्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। नेशनल हैरल्ड केस में कांग्रेस नेताओं, राहुल, सोनिया गांधी तथा अन्य के खिलाफ दाखिल चार्ज शीट को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा टकराव की मुद्रा में आ गये हैं। कांग्रेस ने दिल्ली सहित, पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन किये। दिल्ली में पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने एआईसीसी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, लेकिन ई.डी. कार्यालय की ओर नहीं बढ़ पाये, क्योंकि उन्हें रोकने के लिये, वहाँ भारी पुलिस बल तैनात था।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा जयराम रमेश ने गांधी परिवार के बचाव में पूरा जोर लगा दिया। उन्होंने कहा कि कोई अपराध नहीं हुआ, पैसे का कोई लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कोई पैसा नहीं दिया गया तथा ए.जे.एल. एवं यंग इंडियन या अन्य

■ कांग्रेस ने दिल्ली में व देश के कई स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित किये, नेशनल हैरल्ड के मामले में ई.डी. द्वारा राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट दायर करने पर।

■ भाजपा का नेतृत्व अब यह आंक रहा है कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने पर, जनता में क्या प्रतिक्रिया होगी।

■ सवाल यह उठ रहा है कि ऐसी क्या आवश्यकता थी यंग इंडिया का गठन करने की तथा पचास लाख रूपए देकर कंपनी की पुरानी सभी देनदारियाँ खरीदने की? और क्या, यह सब जोखिम उठाने के बाद, गांधी परिवार, नेशनल हैरल्ड की हजारों करोड़ रूपए की सम्पत्ति को कंट्रोल करने में सफल होगा?

किसी के भी बीच कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ।

हालांकि, कांग्रेस बार-बार यह कह रही है कि कोई गलत काम नहीं

हुआ, फिर भी, राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट पेश कर दी गई है तथा 25 अप्रैल को केस की सुनवाई होनी है। गांधी परिवार को जमानत के लिये

कोर्ट में अर्जी लगानी होगी तथा आरोप तय किये जायेंगे और ई.डी. ने कहा है कि वह अतिरिक्त चार्ज शीट और पेश करने वाली है।

राजनैतिक हलकों में दोष-सिद्धि (कनविक्शन) तथा गिरफ्तारी की चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा नेतृत्व भी इस बात का आकलन कर रहा है कि राहुल और सोनिया गांधी के मुद्दे पर जनता की प्रतिक्रिया क्या होगी। प्रश्न यह भी पूछा जा रहा है कि आखिर यंग इंडियन बनाने की जरूरत क्या थी, और क्या कांग्रेस नेतृत्व ने 50 लाख रूपए दिये, 90 करोड़ रूपए का कर्ज खरीदा तथा ऐसा करके क्या कांग्रेस नेतृत्व अब इस स्थिति में है कि वह हजारों करोड़ की नेशनल हैरल्ड सम्पत्तियों को नियंत्रित कर सके।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर ई.डी. गांधी परिवार को दोषी सिद्ध करना चाहती है, तो उसे इसके साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

जस्टिस गवई 14 मई को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शीर्ष अदालत के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई को अपना उत्तराधिकारी नामित किया है। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है। यदि मंजूरी मिली तो न्यायमूर्ति गवई 14 मई, 2025 को मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति

■ **वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उन्हें उत्तराधिकारी नामित किया।**

23 नवंबर, 2025 तक इस पद पर बने रह सकते हैं। न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश पद का कार्यकाल 13 मई, 2025 तक है।

इसके बाद वे सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। परंपरा के अनुसार, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले सरकार को अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफािश भेजते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 16 अप्रैल। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17.6 साल की नाबालिग के साथ समय-समय पर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रामस्वरूप को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चन्द्र अट्वासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मन पर गहरा प्रभाव डालता है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाने के बजाए उसे उचित दंड देना

■ **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।**

जरूरी है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 14 जनवरी, 2022 को कालांडेरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि 6 दिसंबर, 2021 को स्कूल जाते समय अभियुक्त उसे रास्ते से अपने साथ जबर्न हिंगोनिया ले गया और दुष्कर्म कर वापस छोड़ दिया। इसके बाद 11 जनवरी, 2022 को वह स्कूल से लौट रही थी तो अभियुक्त उसे रास्ते में मिला और साथ जाने के लिए मजबूर करने लगा। इस दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग और उसके परिजन (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘ अन्नाद्रमुक चुनाव जीतने के बाद स्वयमेव सरकार बनायेगी, यह गठबंधन की सरकार नहीं होगी’

अन्नाद्रमुक नेता, पलानीस्वामी की इस घोषणा से भाजपा काफी स्तब्ध!

■ अभी तक भाजपा के स्थानीय नेता बड़े जोर-शोर से कह रहे थे कि एनडीए, जिसमें अन्नाद्रमुक भी शामिल है, तमिलनाडु में सरकार बनायेगा। पर, यह भी सच है कि अमित शाह ने अन्नाद्रमुक के एनडीए में शामिल होने के बाद यह जरूर कहा था कि अन्नाद्रमुक ने एनडीए में शामिल होते समय कोई शर्त नहीं रखी है।

■ पर, वक्त बोर्ड का संशोधित विधेयक संसद में पारित होने के बाद, शायद अन्नाद्रमुक ने यह कहा कि यदि अन्नाद्रमुक-भाजपा के साथ मिलजुल कर सरकार बनायेगी, तो उसे मुस्लिम वोटों का नुकसान होगा। अतः राजनीतिक मजबूरी के कारण, अन्नाद्रमुक को यह घोषणा करनी पड़ी कि उसका व भाजपा का साथ केवल चुनाव जीतने तक ही है, यह साथ सरकार बनाने के लिए नहीं है।

दरअसल, भाजपा के साथ हुये गठबंधन का अन्नाद्रमुक के अंदर जो विरोध हो रहा है, उससे पलानीस्वामी इस समय भारी तनाव में हैं।

अन्नाद्रमुक के नेता, अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिक्रिया के कारण भी परेशान हैं, क्योंकि भाजपा के साथ हुये गठबंधन के कारण अन्नाद्रमुक को अल्पसंख्यकों के वोट नहीं मिलेंगे।

बुधवार को जब विधानसभा में बोलने की अनुमति नहीं दिये जाने के विरोध में पलानीस्वामी ने वॉकआउट का नेतृत्व किया, उसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है तथा अगले वर्ष होने वाले चुनावों में अगर गठबंधन की जीत होती है तो (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री द्वारा कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का “लांच” स्थगित हुआ

सरकार की ओर से आयोजन को आगे खिस्काने का अधिकृत कारण मौसम की खराबी बताया जा रहा है

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 19 अप्रैल को प्रस्तावित कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन स्थगित कर दिया गया है।

इस स्थगन के लिए आधिकारिक कारण खराब मौसम बताया गया है। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताते हुए यैलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं।

हालांकि, एक सवाल अब भी बना हुआ है: क्या यह स्थगन सुरक्षा कारणों से किया गया है?

अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने जम्मू के उधमपुर, कटुआ और पुंछ जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं और “टारगेटेड स्ट्राइक्स” रोकने के

■ पर, यह आम चर्चा में है, कि स्थगित होने का असली कारण है, आतंकवादी गतिविधियों के कारण असुरक्षा का माहौल।

■ जैसा, कि विदित ही है, सिक्युरिटी एजेंसियां उधमपुर, कथुआ व पुंछ जिलों में हाई-अलर्ट की स्थिति में हैं।

■ सोमवार को ही सुरक्षा एजेंसियों ने भारी कॉर्डन ऑफ किया, सुरनकोट तहसील के लसाना गांव में आतंकवादियों के छुपे होने की खबर के बाद।

लिए हाई अलर्ट पर हैं।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के लस्साना गांव में आतंकी गतिविधियों की खबर मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

प्रस्तावित यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री को विनाब रेल पुल और अंजी खड्ड रेल पुल का दौरा करना

था, जिसके लिए दो हेलीपैड तैयार किए गए थे।

प्रधानमंत्री को श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस के एक विशेष कश्मीर संस्करण को हरी झंडी दिखायी थी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन में अनेक विशेषताएं होंगी, जैसे हीटिंग सिस्टम और ट्रेन इंजन की विंडस्क्रीन पर एंडी-फॉग सुविधा। इस नई ट्रेन का

ट्रायल भारतीय रेल द्वारा 23 जनवरी को किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन के लिए नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं, लेकिन संभावना है कि यह अप्रैल के अंत तक किया जाएगा।

कश्मीर लाइन, जिसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन के नाम से जाना जाता है, 272 किलोमीटर लंबी है, जिसमें 119 किलोमीटर सुरंगें शामिल हैं।

इस परियोजना में विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल, विनाब ब्रिज और भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी खड्ड ब्रिज शामिल हैं।

पहली बार ट्रेन में एटीएम लगा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। ट्रेन में सफर करते वक्त अगर नकदी पास न हो तो हर कोई चिंतित हो जाता है। लेकिन, अब इस चिंता से रेलवे मुक्ति दिलाने जा रहा है। भारतीय रेलवे ने एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस को देश की पहली ऐसी ट्रेन बना दिया है, जिसमें एटीएम लगा हुआ है। ट्रेन के एसी कोच में लगे इस एटीएम से चलती ट्रेन में ही यात्री कैश निकाल सकते हैं। इस एटीएम

■ यदि अच्छा रिस्रॉन्स मिला तो लम्बी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाये जायेंगे।

को खास तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि यह ट्रेन के पूरी रफ्तार में होने के बावजूद भी ठीक से काम कर सके। साथ ही इसे चोरों से बचाने के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं और इस पर चौबीस घंटे सीसीटीवी से निगरानी भी रखी जाएगी। रेलवे का कहना है कि अगर मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में लगे एटीएम को अच्छा रिस्रॉन्स मिलता है तो फिर लंबी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाए जाएंगे।

यह नई सुविधा भुसावल रेलवे डिवाजन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की साझेदारी में शुरू की गई है और इसका ट्रायल रन भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

एकल पट्टा प्रकरण में रिक्विज़न याचिका वापस लेने पर बहस पूरी हुई

जयपुर, 16 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और अन्य अफसरों से जुड़े एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से पूर्व में पेश रिवीजन याचिका को वापस लेने के प्रार्थना पत्र पर पक्षकारों

■ **अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने हाई कोर्ट में कहा कि मौजूदा राज्य सरकार आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस आगे बढ़ाना चाहती है।**

की बहस पूरी हो गई है। चीफ जस्टिस एमएएम श्रीवास्तव ने प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला बाद में देना तय किया है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक गतिरोध के बीच, सुपर लगजरी गुड्स मार्केट में एक नया मोर्चा चुपचाप खुल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी फर्मी पर उत्पादन को वापस अमेरिका में लाने का दबाव बना रहे हैं और साथ ही चीनी आयात पर भारी शुल्क लगा रहे हैं। ऐसे में चीन के सप्लायरों ने पलटवार करने के लिए सोशल मीडिया को चुना है। ये लोग सार्वजनिक रूप से यह खुलासा कर रहे हैं कि कैसे वे दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के लिए लगजरी गुड्स

■ **बरकिन, लुई विटों, शनैल, एस्टी लॉडर व बॉबी ब्राउन जैसे लगजरी ब्रांड के बैग अमेरिका में रिटेल में 29-30 लाख रुपये में बिकते हैं।**

■ पर, अधिकतर ये आइटम चीन में ही बनते हैं तथा इनकी कुल लागत 1.2 लाख रूपए ही आती है।

■ चीन के व्यापारी अब ये आइटम, बिना “ब्रॉण्ड टैग” के 1.2 लाख रुपये में सीधे ग्राहक को बेच रहे हैं। ये व्यापारी ग्राहक को यह भी समझाते जा रहे हैं कि इन आइटम्स में लगे माल की कीमत क्या है तथा चीन के कारीगरों के हुनर की कीमत को भी जोड़ दिया जाये तो भी बनाने का खर्च बिक्री के दाम का दसवां हिस्सा ही होगा।

■ बाकी सारा पैसा अमेरिका के व्यापारियों का मार्क-अप व विज्ञापन खर्च हैं।

■ इस रणनीति से ग्राहक के मन में लगजरी आइटम की घनघोर मुनाफा गिरी तो सामने आयी ही, साथ ही चीन के कारीगरों के हुनर व मेहनत का जायका भी देखने को मिला ग्राहक को। इससे, चीन का माल घटिया होने की छवि भी अपने आप खत्म होने लगी है।

बनाते हैं और उन्हीं उत्पादों को अब सीधे

उपभोक्ताओं को उनकी खुदरा कीमतों

से बहुत ही कम कीमत में बेच रहे हैं।

एक डिजिटल आक्रमण, जो गति